



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 552] नई दिल्ली, मंगलवार, 18 अगस्त 1992/धावण 27, 1914

No. 552] NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 18, 1992/CRAVANA 27, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जासी हुँ जिससे कि यह असम संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विन मंत्रालय

(राजरत्र विभाग)

केन्द्रीय प्रत्पक्ष कर बोर्ड

आविष्कारना

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1992

आय-कर

का. आ. 625(अ):— केन्द्रीय प्रत्पक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की घटा 295 घटा प्रकर शिवित्य, ६० प्रयोग करते हुए, आय-कर

नियम, 1962 का और भंगोत्तर करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का संजिप्त नाम आयकर (सोलहवीं संशोधन) नियम, 1992 है।

(2) ये 18 अगस्त, 1992 से प्रदृष्ट होंगे।

2. आयकर नियम, 1962 में—

(क) नियम 2ब के पश्चात्, निम्नलिखित नियम अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“नियम 2बक धारा 10(105) के प्रयोजनों के लिए मार्ग इकाई मिळान

किसी पञ्चिक सेवाकर कंपनी या किसी अन्य कंपनी के किसी कर्मचारी द्वारा अपनी स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के लभ प्राप्त रूपमध्य 10 के खण्ड (105) के धर्वीन केवल तब छूट प्राप्त होगी जब पूर्वोक्त कंपनी द्वारा बनाई गई स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति की स्त्रीम निम्नलिखित अपेक्षाओं के अनुसार है, अर्थात्—

(i) यह कंपनी के ऐसे कर्मचारी हों जागू होती है जिसने सेवा के 10 वर्ष पूरे भर लिए हों या 40 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो;

(ii) यह कंपनी के निदेशकों को छोड़कर सभी कर्मचारियों को (जाहे वे किसी भी नाम से जाने जाते हो) जिनके अंतर्गत कंपनी के कर्मकार और कार्यपालक भी है, जागू होती है,

(iii) स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति की स्त्रीम इसलिए तैयार की गई है कि उससे कंपनी के कर्मचारियों की विद्यमान मंजुरा में कुल मिलाकर कमी होती है,

(iv) स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति से हुई रिक्ति को भरा नहीं जाएगा और न ही सेवा निवृत्ति होने वाले कर्मचारी को एक ही प्रबंध की किसी अन्य कंपनी या समुत्थान में नियोजित किया जाएगा।

(v) कर्मचारी की द्वेष्ठा सेवा निवृत्ति भवदे प्राप्त रूपम उतनी रकम से अधिक नहीं है जो सेवा के प्रत्येक मपूरित धर्व के लिए डेढ़ मास के बेतन के या सेवा निवृत्ति के समय मासिक उपचिह्नियों के जैसी कि वे अधिकृषिता पर उसकी सेवा निवृत्ति की तारीख से पूर्ण शेष सेवा के बाकी मासों की नया द्वारा गुण कारके आए बराबर है। किसी भी दशा में, ऐसी रकम प्रत्येक कर्मचारी की दशा में पांच लाख रुपए से अधिक नहीं होगी।

(vi) कर्मचारी ने पहों किसी मन्त्र स्वेच्छा सेवा निवृत्ति की स्कीम का कायदा नहीं लिया है।"

[स. 9070/का. स. 133/191/92 टी पी एल]

बाई के. बल्ल, अश्रु सचिव (टी. पी. एल.)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th August, 1992

INCOME-TAX

S.O. 625(E).—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Sixteenth Amendment) Rules, 1992.

(2) They shall come into force with effect from the 18th day of August, 1992.

2. In the Income-tax Rules, 1962,—

(a) after rule 2B, the following rule shall be inserted namely :—

"Rule 2BA. Guidelines for the purposes of section 10(10C).

The amount received by an employee of a public sector company or of any other company at the time of his voluntary retirement shall be exempt under clause (10C) of section 10 only if the scheme of voluntary retirement framed by the aforesaid company is in accordance with the following requirements, namely :—

- (i) It applies to an employee of the company who has completed 10 years of service or completed 40 years of age;
- (ii) it applies to all employees (by whatever name called) including workers and executives of the company excepting Directors of the company;

- (iii) the scheme of voluntary retirement has been drawn to result in overall reduction in the existing strength of the employees of the company;
- (iv) the vacancy caused by voluntary retirement is not to be filled up, nor the retiring employee is to be employed in another company or concern belonging to the same management.
- (v) the amount receivable on account of voluntary retirement of the employee, does not exceed the amount equivalent to one and one-half months' salary for each completed year of service or monthly emoluments at the time of retirement multiplied by the balance months of service left before the date of his retirement on superannuation. In any case, the amount should not exceed rupees five lakhs in case of each employee.
- (vi) the employee has not availed in the past, the benefit of any other voluntary retirement scheme."

[No. 9070]F. No. 133[191,92-TPL.]

Y. K. BATRA, Under Secy.(TPL)